सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 7 ● अंकः 332 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 8 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

यदि विपत्ति कुछ समय की हो तो वह भी ठीक ही है क्योंकि विपत्ति में ही सबके विषय में जाना जा सकता है कि संसार में कौन हमारा हितैषी है और कौन नहीं।
–रहीम दास

कड़ाके की ठंड से ठिठुरा यूपी... 8 | यूपी और पंजाब में चुनाव अभियान... 3 | अब राज्य कर्मियों व पेंशनर्स का... 7

बज गयी रणभेरी, यूपी में सात चरणों में चुनाव

» चुनाव आयोग ने पांच राज्यों की चुनाव तारीखों का किया ऐलान, आचार संहिता लागू

» यूपी में दस फरवरी से शुरू होगी वोटिंग, मतगणना दस मार्च को

» उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में एक चरण तो मणिपुर में दो चरणों में होगा चुनाव

» कोरोना गाइड लाइन के मुताबिक होंगे चुनाव, बढ़ाए गए पोलिंग बूथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना काल के बीच चुनाव आयोग ने आज उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में विधान सभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया। इसी के साथ आज से आचार संहिता लागू हो गयी है। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होंगे। दस मार्च को मतगणना होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल के तहत चुनाव कराए जाएंगे। पोलिंग स्टेशन पर सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में चुनाव होंगे। इसके तहत 10, 14, 20, 23 27 फरवरी और तीन व सात मार्च को वोटिंग होगी। वहीं 14 फरवरी को पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में मतदान होगा। इन राज्यों में एक चरण में चुनाव होंगे। दूसरी ओर मणिपुर में पहले चरण का चुनाव 27 फरवरी और दूसरे चरण की वोटिंग तीन मार्च को होगी।

पंजाब, गोवा और उत्तराखंड में 14 फरवरी को वोटिंग

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

यूपी में कब-कब वोटिंग

पहला चरणः	10 फरवरी
दूसरा चरणः	14 फरवरी
तीसरा चरणः	20 फरवरी
चौथा चरणः	23 फरवरी
पांचवां चरणः	27 फरवरी
छठवां चरणः	3 मार्च
सातवां चरणः	7 मार्च
मतगणनाः	10 मार्च

यूपी में 40 लाख खर्च कर सकेंगे प्रत्याशी

चुनाव के लिए खर्च सीमा बढ़ाई गयी। यूपी, पंजाब और उत्तराखंड में उम्मीदवार 40 लाख तक खर्च कर सकेंगे जबकि मणिपुर और गोवा में खर्च सीमा 28 लाख होगी।

15 जनवरी तक रैली, रोड शो और पद यात्रा पर रोक

कब-कहां मतदान

पहला चरण : शामली, मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ हापुड़, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मथुरा आगरा और अलीगढ़।

दूसरा चरणः सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, संभल, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर।

तीसरा चरणः कासगंज, हाथरस, फिरोजाबाद, एटा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर।

चौथा चरणः पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, रायबरेली, फतेहपुर, बांदा।

पांचवां चरणः श्रावस्ती, बहराइच, बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, चित्रकूट, प्रयागराज।

छठवां चरणः बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संतकबीर नगर, आंबेडकर नगर, गोरखपुर, देवरिया, बलिया।

सातवां चरणः आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, संत रविदास नगर, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र।

ऑनलाइन नामांकन की भी सुविधा

चुनाव आयोग ने बताया कि प्रत्याशियों को ऑनलाइन नामांकन करने की सुविधा भी दी गयी है। सभी दलों के लिए सुविधा एप की व्यवस्था की गयी है। पैसे के दुरुपयोग पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी जाएगी। सभी एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है।

अखिलेश का ऐलान, सपा सरकार बनी तो फिर देंगे लैपटॉप

» महंगाई, कानून व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर जाएंगे जनता के बीच

» झूठ फैलाने वाली भाजपा की आईटी टीम के खिलाफ दर्ज कराएंगे एफआईआर

» नाम बदलने वाले मुख्यमंत्री को बदल देगी जनता, सपा की बनेगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देने, सिंचाई बिल माफ करने की घोषणा के बाद आज एक और ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनी तो युवा छात्रों को लैपटॉप देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सपा भाजपा की नफरत की राजनीति को खत्म करेगी। विकास के मुद्दे को सपा हर प्लेटफार्म पर रखेगी। सपा सरकार बनने पर तीन सौ यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी और किसानों का सिंचाई बिल माफ किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पहले जब समाजवादी सरकार ने लाखों नौजवानों को लैपटॉप दिया था उस समय उन नौजवानों ने इसके जरिए अपने रोजगार का इंतजाम कर लिया। सपा भाजपा की आईटी टीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएगी। उन्होंने मेरी एक फ्रांस की तस्वीर लगायी है और लिखा है कि जो इत्र व्यापारी कानपुर में पकड़ा गया वह भी मेरे साथ था। उस व्यक्ति के खिलाफ तहरीर देंगे और सरकार बनने पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। वह विज्ञापनों में जनता के पैसे का दुरुपयोग कर रही है। शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी धरना देना बंद करें। अपने बूथ पर जाएं और भाजपा को हराए। सपा सरकार बनने पर उनका सम्मान किया जाएगा। प्रदेश में ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो केवल नाम बदलते हैं। इस बार जनता उनको बदल देगी। हिटलर के पास केवल एक प्रोपेगंडा मिनिस्टर था लेकिन भाजपा पूरी तरह झूठे प्रचार पर चल रही है। सपा जब भी सरकार में आयी शिक्षकों की मदद की। सपा जो कहती है वह करके दिखाती है।

सहयोगी दलों से सीटों पर चल रही बात

आरएलडी से सीटों पर बात हो चुकी है। इसके अलावा अन्य सहयोगी दलों के साथ भी बातचीत चल रही है। समय आने पर जल्द इसका ऐलान किया जाएगा।

अयोध्या की तर्ज पर विकसित होगा ब्रज 84 कोस परिक्रमा मार्ग : गडकरी

» केंद्रीय मंत्री ने मथुरा-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग का किया शिलान्यास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 11453 करोड़ की लागत से बनने वाले मथुरा-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य सहित 14568 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास व शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में ब्रज 84 कोस परिक्रमा को अयोध्या की तर्ज पर विकसित करने की घोषणा की। कहा कि ब्रज 84 कोस परिक्रमा के विकास पर पांच हजार करोड़ रुपये खर्च करेंगे।

इस पर चुनाव के बाद काम शुरू होगा। वीसी के माध्यम से आयोजित समारोह में नितिन गडकरी मथुरा, आगरा, बरेली से जुड़े 335 किलोमीटर लंबे राजमार्ग के कार्य का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि इसमें मथुरा, हाथरस, बदायूं बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग 530बी के फोरलेन प्रोजेक्ट पर 11453 करोड़ की लागत आएगी। इसके बनने से मथुरा से बरेली के बीच की दूरी तीन घंटे कम हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट के लिए केंद्रीय मंत्री ने मथुरा की सांसद हेमा मालिनी के प्रयास की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने मथुरा की ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के विकास की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ब्रज 84 कोस परिक्रमा पर पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे अयोध्या 84 कोस परिक्रमा के पैटर्न पर तैयार किया जाएगा। 253 किलोमीटर लंबी ब्रज 84 कोस परिक्रमा टू लेन होगी। इसके दोनों ओर कच्चा हरित पैदल पथ भी बनाया जाएगा, जहां ब्रज के पौराणिक महत्व के अनुरूप पौधे लगाए जाएंगे। यात्रियों के ठहरने के लिए स्थल, जनसुविधाएं और खानपान की भी व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि ब्रज 84 कोस परिक्रमा में मूर्ति, पेंटिंग के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की संपूर्ण लीलाओं का चित्रण भी किया जाएगा। सांसद हेमा मालिनी ने मथुरा-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्य शुभारंभ और ब्रज 84 कोस परिक्रमा विकास के लिए नितिन गडकरी का आभार जताया।

वाहनों के हॉर्न में बजेगी कन्हैया की बंसी

नितिन गडकरी ने कहा कि उनकी कोशिश अब वाहनों में हॉर्न के सायरन की आवाज में बदलाव करने की है। इसके लिए वे भारतीय वाद्ययंत्रों की आवाजों का उपयोग करने का प्रयोग कर रहे हैं। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की बंसी भी शामिल है। प्रयोग सफल रहता है तो वाहनों में लोगों को भगवान श्रीकृष्ण की बंसी की आवाज सुनाई देगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में सड़क, रेल के साथ जलमार्ग भी तैयार हो रहे हैं। उनकी योजना दिल्ली से मथुरा यमुना के माध्यम से नया जल मार्ग तैयार करने की है। उन्होंने यमुना प्रदूषण कम करने की परियोजनाओं की जानकारी देते हुए वाहनों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग की भी बात कही। इससे वातावरण में प्रदूषण तो कम होगा, साथ ही पेट्रोल, डीजल पर निर्भरता भी कम होगी।

बुआ-भतीजा फिर एक हो जाएं तो भी खुशियों का खाता नहीं खुलेगा : केशव

» भाजपा ने प्रदेश में अगले 25 वर्षों तक के लिए खींचा खाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

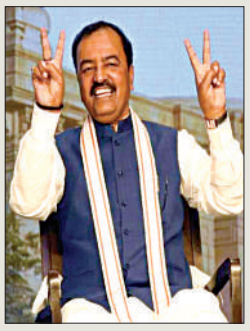

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश में सपा, बसपा और कांग्रेस की जमीन खिसक गई है। उन्होंने कहा कि 2019 की तरह 2022 में भी बुआ-भतीजा एक हो जाएं तो भी अखिलेश यादव की खुशियों का खाता खुलने वाला नहीं है। दूरदर्शन के कॉन्क्लेव में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने प्रदेश में अगले 25 वर्षों तक के लिए खाका खींच रखा है।

तब तक अखिलेश यादव की दाल नहीं गलने वाली है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास में सबसे बड़े और अवरोधक मुख्यमंत्री के रूप में यदि किसी का नाम लिया जाएगा तो वह अखिलेश यादव का होगा। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में प्रयागराज में कई चौराहों पर लुंगी छाप गुंडे सक्रिय रहते थे। उन चौराहों से बहन बेटियों का निकलना मुश्किल होता था। लेकिन अब वह परिस्थिति बदली है। बेटियां सुरक्षित हैं। जनता में विश्वास बना है कि भाजपा सरकार में ही प्रदेश का भविष्य सुरक्षित है। उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनके और और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच बहुत ही मजबूत संबंध है जो कभी टूट नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि 2022 में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

अखिलेश को सपने में श्रीकृष्ण ने कहा- 25 साल यूपी में नहीं आओगे

अखिलेश यादव के भगवान श्रीकृष्ण के सपने में आने के बयान पर उपमुख्यमंत्री ने तंज कसा। कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अखिलेश यादव को कहा था कि उनकी जमीन खिसक गयी है। अखिलेश यादव का 25 साल तक यूपी में नंबर नहीं आएगा। बुआ और भतीजा एक हो जाएं तब भी 25 वर्ष तक उत्तर प्रदेश में कमल ही खिलेगा। भगवान परशुराम की प्रतिमा को लेकर अखिलेश यादव की राजनीति पर कहा कि जो भगवान श्रीराम का नहीं हुआ वह भगवान परशुराम का नहीं हो सकता। केशव प्रसाद मौर्य ने दोहराया कि 2022 में भाजपा 300 से अधिक सीटें ला रही है। यूपी 2014 में जातिगत राजनीति के बंधन से मुक्त हुआ। भाजपा को हराने के लिए विरोधी सपा-बसपा 2019 में एक हो गए, फिर भी नहीं रोक पाए। बड़े-बड़े लोग मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं।

उन्नाव में भाकियू कार्यकर्ता ने बीजेपी विधायक पर उठाया हाथ

» इंटरनेट मीडिया पर वीडियो हो रहा वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कल देर शाम इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में एक मंच पर बैठे सदर विधायक को भारतीय किसान यूनियन के एक बुजुर्ग कार्यकर्ता ने थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद उनके सुरक्षा कर्मी थप्पड़ मारने वाले वृद्ध को पकड़ कर मंच के नीचे ले गये हैं।

बताते हैं घटना के बाद काफी सनसनी फैल गई। हालांकि बाद में हमलावर दिख रहे भाकियू कार्यकर्ता को विधायक ने मंच पर अपने बगल में भी जगह दी। वहीं, भाकियू कार्यकर्ता ने बताया कि उन्होंने विधायक को कोई पहली बार नहीं मारा है कई बार प्यार से मार चुके हैं। हुआ यह कि सिकंदरपुर सरोसी ब्लाक क्षेत्र के गांव जंगेनगर चौराहा पर प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी की आदमकद प्रतिमा की स्थापना सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कराई थी। इसी प्रतिमा का अनावरण समारोह आयोजित हुआ। सांसद साक्षी महाराज ने प्रतिमा का अनावरण किया।

यूपी में बसपा ने बनाई रणनीति निष्किय होंगे पदों से मुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जैसे-जैसे चुनाव 2022 नजदीक आ रहे हैं, वैसे वैसे दल सक्रिय हो रहे हैं। इसी क्रम में बसपा ने रणनीति तैयार कर ली है। निष्क्रिय पदाधिकारियों को पदो से हटाने की तैयारी कर ली है। बसपा के अलीगढ़ मंडल, मेरठ मंडल व बरेली मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी राजकुमार गौतम ने पार्टी कार्यालय पर संगठन की समीक्षा बैठक की।

उन्होंने बताया कि बहनजी ने गत सप्ताह लखनऊ में संगठन को लेकर बैठक की थी। उन्होंन बूथ स्तर तक पार्टी मजबूत करने के लिए आह्वान किया था। साथ ही निष्क्रिय पदाधिकारियों को पदों से मुक्त व सक्रियों को जिम्मेदारी देने के निर्देश दिए थे। गौतम ने जिलाध्यक्षों से विधानसभा स्तर पर समीक्षा की। साथ ही पार्टी सुप्रीमों मायावती के निर्देशों के सतत पालन के लिए जरूरत पड़ने पर बदलाव के निर्देश भी दिए। मंडल के मुख्य सेक्टर प्रभारी सूरज सिंह ने दावा किया है कि आने वाला समय बसपा का है। कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशियों को जिताने के लिए जी जान से जुटें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ होता है। इसलिए बूथ स्तर पर जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारी बसपा की नीति को जन जन तक पहुंचाएं।

कांग्रेस ने बढ़ाई बसपा और अन्य दलों में सेंधमारी

» कई नेता थाम चुके कांग्रेस का दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। कांग्रेस हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिलों में जड़ें मजबूत करने की कोशिशों में जुटी है। दोनों जिलों में विधानसभा की 20 सीट हैं। इन्हें हासिल करने के लिए पार्टी बसपा एवं अन्य दलों के नेताओं को अपने पाले में खींचने में दम लगा रही है। बसपा के कई नेता कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं। इनके आने से कांग्रेस को कई विधानसभा क्षेत्रों में ताकत बढ़ने की उम्मीद है। हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में बसपा के मौजूदा या कभी बसपा में रह चुके नेताओं को कांग्रेस में लाने का रणनीतिक उद्देश्य बड़ा साफ है। बसपा की इन जिलों में मजबूत उपस्थिति रही है।

दोनों ही जिलों से बसपा विधानसभा में प्रतिनिधित्व कर चुकी है। हरिद्वार में यह प्रतिनिधित्व ज्यादा रहा है। 2017 के विधानसभा चुनाव में इन दोनों ही जिलों में बसपा कमजोर पड़ी है। अगले चुनाव के महासमर के लिए कांग्रेस की नजरें विधानसभा क्षेत्रों में पकड़ रखने वाले बसपा नेताओं पर टिकी हैं। चुनावी जीत के लिए क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखकर ऐसे नेताओं को कांग्रेस में शामिल कराने की होड़ तेज हो चुकी है। बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी सिंह अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। इसी तरह हरिद्वार में बसपा नेता मुकर्रम अंसारी को भी कांग्रेस के पाले में खड़ा किया जा चुका है। मुर्करम पिछले चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के सामने बसपा के टिकट पर हरिद्वार ग्रामीण सीट से खम ठोक चुके हैं। मुकर्रम के आने से हरिद्वार सीट पर कांग्रेस को मजबूती मिली है। इससे पहले भाजपा के हरिद्वार जिला पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष वर्मा भी कांग्रेस में आ चुके हैं। बसपा के साथ ही अन्य छोटे दलों के जनता के बीच पैठ रखने वाले नेताओं को कांग्रेस में शामिल कराया जा रहा है।

छोटे दलों में भी हो रही सेंधमारी

कांग्रेस बसपा ही नहीं अन्य छोटे दलों में भी सेंधमारी कर रही है। विधानसभा क्षेत्रों में क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर स्थानीय नेताओं को कांग्रेस में शामिल करने का अभियान तेज किया जा चुका है। इन नेताओं को यह भरोसा दिया गया है कि कांग्रेस की सरकार बनने पर उन्हें दायित्व सौंपे जाएंगे। मैदानी जिलों के साथ ही पर्वतीय जिलों में भी अन्य दलों के नेताओं को कांग्रेस में खींचा जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल का कहना है कि कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है, जिसमें हर वर्ग, जाति और धर्म का सम्मान होता है। बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं।

यूपी और पंजाब में चुनाव अभियान की कमान संभालेंगे राजस्थान के नेता

» कांग्रेस व भाजपा ने तैयार की अपनी-अपनी टीम
विधान सभा क्षेत्रों में तैनात किए गए दिग्गज नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश और पंजाब में विधान सभा चुनाव अभियान में राजस्थान के नेता कमान संभालेंगे। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में 70 सीटों पर राजस्थान के भाजपा नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस के भी पांच दर्जन नेता उत्तर प्रदेश पहुंच गए हैं। उधर पंजाब में कांग्रेस और भाजपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं की टीम अगले माह से मोर्चा संभालेगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने केंद्रीय मंत्री व बीकानेर के सांसद अर्जुनराम मेघवाल को सह प्रभारी बनाया है। वहां भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री सुनील बंसल राजस्थान के मूल निवासी हैं।

ऐसे में मेघवाल व बंसल ने पार्टी नेतृत्व से चर्चा करने के बाद राजस्थान के नेताओं व कार्यकर्ताओं को जातिगत और राजनीतिक समीकरणों के हिसाब से विधान सभा क्षेत्रवार जिम्मेदारी सौंपी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश के आगरा, मथुरा, एटा, मेरठ सहित विभिन्न जिलों के 70 विधान सभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी राजस्थान के भाजपाइयों को सौंपी गई है। प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में राजस्थान के पांच से दस नेता व कार्यकर्ताओं को तैनात किया गया है। वहीं कांग्रेस के दो राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर व जुबेर खान उत्तर प्रदेश में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी का सहयोग कर रहे हैं। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को भी चुनाव अभियान का जिम्मा सौंपा गया है। पायलट एक बार उत्तर प्रदेश का दौरा कर चुके हैं। जानकारी के अनुसार राजस्थान के 100 नेताओं व कार्यकर्ताओं को उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया गया है। उधर पंजाब विधान सभा चुनाव में केन्द्रीय मंत्री और जोधपुर सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत को भाजपा ने प्रभारी बनाया है।

भाजपा ने भी तैनात किए अपने वक्ता

कांग्रेस में राजस्थान के पूर्व मंत्री हरीश चौधरी पंजाब के प्रभारी हैं। चौधरी पिछले एक महीने से पंजाब के जिलों का दौरा कर संगठनात्मक बैठक ले रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय संगठन महासमंत्री के.सी.वेणुगोपाल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी से चर्चा कर राजस्थान के पांच दर्जन नेताओं को अलग-अलग विधान सभा क्षेत्रों में जिम्मेदारी सौंपी है। इन नेताओं को फरवरी में अपने प्रभार वाले इलाकों में पहुंचने के लिए कहा गया है। भाजपा ने भी पंजाब में अब तक 50 नेताओं को तैनात किया है।

उत्तराखंड में पीसीसी ने बनाए पांच लाख नए सदस्य

उत्तराखंड में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दस लाख नए सदस्य बनाने के सापेक्ष पांच लाख नए सदस्य बनाए हैं। अब आगामी चुनाव के बाद सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा। सदस्यता शुल्क के रूप में जमा दस लाख रुपये का ड्राफ्ट एआईसीसी को भेजा जा रहा है। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस सदस्यता अभियान समिति के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी ने बताया कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसने बढ़त बनाते हुए सदस्यता अभियान चलाया और बहुत कम समय में लक्ष्य के आधे हिस्से को पार किया। राष्ट्रीय महामंत्री वेणुगोपाल की ओर से भेजे गए पत्र में पूछे गए सवाल के जबाब में उत्तराखंड कांग्रेस की ओर से सदयस्ता शुल्क के रूप में सबसे पहले अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को 10 लाख रुपए का ड्राफ्ट भिजवाया जा रहा है। अभी तक की रिपोर्ट के अनुसार लगभग 5 लाख नए सदस्य बनाए गए हैं। विधान सभा चुनाव के बाद 10 लाख के लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा।

आप ने 12 विधान सभा प्रभारी घोषित किए

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की 12 विधानसभाओं के विधान सभा प्रभारी घोषित किए। प्रवक्ता उमा सिसौदिया ने बताया कि देवप्रयाग में उत्तम भंडारी, टिहरी में त्रिलोक सिंह नेगी, चकराता में दर्शन डोभाल, रायपुर में नवीन पिरशाली, देहरादून कैंट में रविंद्र आनंद, डोईवाला में राजू मौर्य , झबरेड़ा में राजू बिराटिया, श्रीनगर में गजेंद्र चौहान, लैंसडौन में नरेंद्र गिरी, डीडीहाट में दीवान सिंह मेहता, द्वाराहाट में प्रकाश चंद उपाध्याय और जागेश्वर में तारा दत्त पांडे को प्रभारी बनाया गया है।

बसपा को लगेगा हरिद्वार ग्रामीण में झटका

हॉट सीट रही हरिद्वार ग्रामीण विधान सभा में बसपा को झटका लगने जा रहा है। यहां से पार्टी से चुनाव लड़ चुके मुकर्रम अंसारी और इरशाद अली भी कांग्रेस में वापसी करने जा रहे हैं। पिछले विधान सभा चुनाव में हरिद्वार ग्रामीण सीट पर मुख्यमंत्री रहते हुए हरीश रावत और विधायक रहते हुए स्वामी यतीश्वरानंद चुनाव लड़े थे। जिससे यह सीट हॉट बन गई थी। हालांकि इस सीट पर हरीश रावत को हार का सामना करना पड़ा था। अब फिर से हरिद्वार ग्रामीण सीट पर हरीश रावत की निगाहें लगी हुई हैं।

अब वर्चुअल रैली से प्रचार को धार देगी भाजपा, बनाया नया प्लान

» कई चरणों में की जाएगी वर्चुअल रैली, जनता से संवाद स्थापित करने को बनायी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोरोना संक्रमण को देखते हुए लिया गया फैसला, थ्री डी तकनीक का होगा इस्तेमाल

लखनऊ। प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पीएम मोदी समेत पार्टी के तमाम दिग्गज नेताओं ने रैली के जरिए माहौल को गरमा दिया है। वहीं कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए भाजपा जनता से संवाद स्थापित करने के लिए नयी रणनीति का प्लान तैयार कर रही है। अब वह वर्चुअल रैली के जरिए अपने प्रचार को धार देगी। इस मामले में उसका पिछला अनुभव काम आएगा। पार्टी नेताओं का मानना है कि इसका फायदा उसे मिलेगा।

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रचार की रणनीति में बदलाव किया है। कोरोना वायरस के नए संक्रमण ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए भाजपा ने वर्चुअल रैलियों के जरिए चुनाव प्रचार का प्लान तैयार कर रही हैं। भाजपा ने पूरे प्रदेश ने अलग-अलग चरणों के हिसाब से हर चरण में 100 रैली तक करने की तैयारी की है। मामले में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पिछले कुछ दिनों में उत्तर प्रदेश में भाजपा यूनिट के साथ 'डिजिटल रणनीति' पर चर्चा की और रणनीति भी बनाई है पार्टी ने श्री डी स्टूडियो मिक्स तकनीक का उपयोग करने की योजना बनाई है। इस तकनीक से दो अलग-अलग जगहों पर बैठे नेताओं को एक पोडियम पर दिखाया जा सकता है यानी 3डी के जरिए वर्चुअल स्टेज बनाकर दिग्गज नेताओं को ऐसे दिखाया जाएगा, जैसे वे किसी एक मंच पर संबोधित कर रहे हों। माना जा रहा है कि भाजपा को चुनाव में वर्चुअल रैली आयोजित करने का खासा अनुभव है और इसका फायदा उसे यूपी चुनाव में मिलेगा। इसके अलावा भाजपा सोशल मीडिया के मैनेजरों को नियुक्त कर अपनी रैलियों को जनता तक पहुंचाने की तैयारी में है।

युवाओं पर भी फोकस

चुनाव से पहले प्रदेश सरकार ने युवाओं को भी साधने की कोशिशें तेज कर दी है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए एक करोड़ छात्रों को मुफ्त में टैबलेट और स्मार्ट फोन वितरित कर रही है। फोन में डिजिटल एक्सेस और विश्व स्तरीय शानदार कंटेंट की सुविधा भी मुफ्त उपलब्ध करायी जा रही है। इसके साथ ही इन टैबलेट व स्मार्ट फोन में केंद्र व प्रदेश सरकार की रोजगारपरक योजनाओं की संपूर्ण जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। सरकार युवाओं की पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए ऐसे इंतजाम सुनिश्चित कर रही है जिससे उन्हें बाहर जाने की नौबत न आए। सरकार की तरफ से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 10 हजार युवाओं को मुफ्त टैबलेट-स्मार्ट फोन देकर उन्हें निशुल्क कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रदूषण और कोरोना का मेल खतरे की घंटी

देश में डेल्टा और ओमिक्रॉन का सम्मिलित असर देखने को मिल रहा है। यह लोगों के फेफड़ों और इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है। लोगों को इससे सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। खतरनाक बात यह है कि जिस समय ये दोनों वायरस तेजी से फैल रहे हैं उस समय देश के कई राज्यों में प्रदूषण का स्तर भी बेहद खराब हो रहा है।

देश में कोरोना की तीसरी लहर आ चुकी है। चौबीस घंटे में एक लाख से अधिक केस रिकॉर्ड किए गए हैं और इसके लगातार बढ़ने की आंशका है। कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के साथ ओमिक्रॉन भी सक्रिय है। ओमिक्रॉन बेहद तेजी से संक्रमण फैलाता है। वहीं सर्दियों में इसके फैलने से एक और खतरा सिर पर मंडराने लगा है। यह खतरा बढ़ते प्रदूषण का है। अब विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि प्रदूषण और कोरोना का मेल लोगों के जीवन के लिए घातक साबित हो सकता है। लिहाजा संक्रमण को लेकर न केवल सतर्क रहें बल्कि प्रदूषण से भी बचाव के इंतजाम करें। सवाल यह है कि कोरोना संक्रमितों के लिए प्रदूषण क्यों खतरनाक है? पाबंदियों के बावजूद संक्रमण बेकाबू क्यों होता जा रहा है? क्या इसके लिए नागरिकों और सरकार की लापरवाही जिम्मेदार है? क्या पाबंदियों का पालन कराने में राज्य सरकारें नाकाम साबित हो रही हैं? क्या एक बार फिर दूसरी लहर की तरह देश को हाहाकारी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है? क्या देश की चिकित्सा व्यवस्था लगातार बढ़ रहे मरीजों को संभाल पाएगी? क्या सरकार को कुछ और कठोर कदम उठाने होंगे?

पिछले दो सालों से कोरोना पूरी दुनिया में कोहराम मचा रहा है। यह हर बार नए रूप में सामने आता है और एक नयी लहर का कारण बन रहा है। डेल्टा जहां दूसरी लहर का कारण बना वहीं ओमिक्रॉन तीसरी लहर की वजह बन चुका है। हालांकि यह डेल्टा से कम घातक है लेकिन संक्रमण के मामले में यह उससे कई गुना अधिक खतरनाक है। फिलहाल देश में डेल्टा और ओमिक्रॉन का सम्मिलित असर देखने को मिल रहा है। यह लोगों के फेफड़ों और इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है। लोगों को इससे सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। खतरनाक बात यह है कि जिस समय ये दोनों वायरस तेजी से फैल रहे हैं उस समय देश के कई राज्यों में प्रदूषण का स्तर भी बेहद खराब हो रहा है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति कोरोना की चपेट में आता है तो उसे प्रदूषण की भी मार झेलनी पड़ेगी। प्रदूषण कोरोना रोगियों को गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। वहीं इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि राज्य सरकारों ने भले ही पाबंदियों की घोषणा कर दी हो लेकिन उसका पालन कराने में वे अभी भी नाकाम साबित हो रही हैं। दूसरी ओर नागरिकों में भी कोरोना को लेकर लापरवाहीपूर्ण रवैया दिख रहा है, जिसके कारण संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। जाहिर है सरकार को एक ओर कोरोना पर नियंत्रण लगाने के लिए ठोस जमीनी कार्रवाई करनी होगी वहीं दूसरी ओर प्रदूषण को भी कम करने के लिए मास्टर प्लान बनाना होगा अन्यथा स्थितियां खराब हो जाएंगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कृषि विकास की नयी संभावनाएं

जयंतीलाल भंडारी

नये साल के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 10वीं किस्त के तहत 10.9 करोड़ किसानों के बैंक खाते में 20946 करोड़ रुपये हस्तांतरित करते हुए कहा कि अब कृषक उत्पादक संघ (एफपीओ) के माध्यम से किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जायेगा। नये वर्ष में ऊंची विकास दर की उम्मीद से भरी अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का अहम योगदान हो सकता है। ब्रिटिश कंसल्टेंसी सेब्र की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था पहली बार तेजी से आगे बढ़ते हुए करीब तीन ट्रिलियन डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच सकती है। इसमें देश के कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका होगी।

वर्ष 2022 में कोरोना की चुनौतियों के बीच भी अर्थव्यवस्था में कृषि का वैसा ही मजबूत आधार बना रहेगा, जैसा बीते दो सालों में रहा है। इन दो वर्षों में जीडीपी में कृषि ही एकमात्र ऐसा क्षेत्र रहा है, जिसमें लगातार विकास दर बढ़ी है। कोविड में देश-दुनिया की अर्थव्यवस्था थम गयी थी लेकिन कृषि का पहिया चलता रहा। किसानों ने बंपर पैदावार की और सरकार ने भी बंपर खरीद की। अब 2022 में कृषि एक बार फिर अपनी प्रासंगिकता सिद्ध करती हुई दिख सकेगी। इस नये वर्ष में कृषि विकास की ऊंची उम्मीदों को साकार करने और देश के करोड़ों छोटे किसानों को मुस्कुराहट देने के लिए कई महत्वपूर्ण बातों पर विशेष ध्यान देना होगा। वर्ष 2022 में कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न, तिलहन और दलहन उत्पादन बढ़ाने के और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता होगी। 2020-21 में देश में खाद्यान्न उत्पादन करीब 308.60 मिलियन टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है। इसी तरह 2020-21 के दौरान देश में कुल तिलहन उत्पादन रिकॉर्ड 36.10 मिलियन टन और दालों का रिकॉर्ड उत्पादन 25.7 मिलियन टन पर पहुंचा है। इसके साथ, 2021-22 (जुलाई से जून) के पहले अग्रिम अनुमान के मुताबिक खरीफ फसल का उत्पादन 150.50 मिलियन टन होने का अनुमान है। खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के प्रोत्साहनों के साथ केंद्र सरकार ने तिलहन के उत्पादन को बढ़ाकर खाद्य तेलों के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 11,040 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ राष्ट्रीय खाद्य तेल पाम ऑयल मिशन (एनएमईओ-ओपी) को लागू किया है। इसके क्रियान्वयन पर अधिकतम ध्यान दिया जाना चाहिए। नये वर्ष 2022 में किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए

खाद्य प्रसंस्कृत क्षेत्र को तेजी से आगे बढ़ाना होगा। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए जून, 2021 से केंद्र सरकार द्वारा उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इस क्षेत्र के उद्योग के लिए 10,900 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रावधान किया जा चुका है। इस योजना को ठीक ढंग से क्रियान्वित करके छोटे किसानों की आमदनी में बड़ी वृद्धि की जा सकती है। 2022 में देश से कृषि उत्पादों और मसालों के निर्यात बढ़ाने से संबंधित संभावनाओं को साकार करने की रणनीति पर आगे बढ़ना होगा। विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रकाशित वैश्विक कृषि व्यापार में रुझान रिपोर्ट 2021 के मुताबिक दुनिया में कृषि निर्यात में भारत ने नौवां स्थान हासिल किया है। उल्लेखनीय है कि विश्व बाजार में पिछले दो वर्षों में भारत के कृषि उत्पादों और मसालों की खुशबू की धमक बहुत अधिक बढ़ी है। मिर्च, अदरक, हल्दी और जीरे वाली फसलों का निर्यात शानदार रहा है। चूंकि देश में मसाले की खेती में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है, अतएव इसका असर वैश्विक बाजार में मसालों के निर्यात पर पड़ा है। वर्ष 2014-15 में जहां 67.64 लाख टन मसालों का उत्पादन किया गया था, वहीं यह 2020-21 में बढ़कर 1.07 करोड़ टन हो गया है। देश से चालू वित्त वर्ष 2021-22 में कृषि निर्यात के 43 अरब डॉलर के लक्ष्य को सरलता से प्राप्त कर लिया जायेगा। आगामी वित्त वर्ष 2022-23 में कृषि निर्यात के 50 अरब डॉलर के मूल्य तक पहुंचने की उम्मीद है। किसानों की जमीन को सुरक्षा देने के लिए उन्हें 22 करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड दिये गये हैं। 6,850 करोड़ से 10 हजार एफपीओ बनाना प्रारंभ हुआ है। किसानों को वाजिब दाम दिलाने व उनकी माली हालत सुधारने तथा सभी सुविधाएं सहजता से उपलब्ध कराने के लिए एक लाख करोड़ के फंड से कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। कृषि में प्रगति के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों और वैज्ञानिकों की भूमिका और महत्वपूर्ण बनायी जा रही है। फसलों में विविधीकरण और उन्नत बीजों के आविष्कार में इनकी प्रभावी भूमिका रही है। निश्चित रूप से कृषि विकास के इन आधारों पर 2022 में कृषि क्षेत्र को अधिक ऊंचाई और खुशहाली मिलते हुए दिखायी दे सकेगी।

झूठे आश्वासनों से दम तोड़ती उम्मीदें

लक्ष्मीकांत चावला

अकाली-भाजपा सरकार के दस वर्ष के कार्यकाल में तो नब्बे प्रतिशत कर्मचारी ठेके पर ही भर्ती किए गए। उन सभी कर्मचारियों को भरोसा दिया गया कि तीन वर्ष पश्चात उन्हें नियमित कर दिया जाएगा। संभवत: 2 प्रतिशत ही कर्मचारी इतने भाग्यशाली रहे कि उन्हें पांच-दस वर्ष बाद नियमित किया गया।

कैप्टन अमरिंदर के नेतृत्व में वर्ष 2002 से लेकर 2007 तक पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनी। ठेके पर कर्मचारियों को रखने की बीमारी उसी काल में शुरू हुई। उस समय अकाली-भाजपा के मंच से हम यही कहते थे कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सब कुछ ठेके पर दे दिया। अब पुलिस बची है उसे भी ठेके पर दे दीजिए। मगर अकाली-भाजपा सरकार आने के बाद भी हम ठेके की नौकरी की प्रथा से पंजाब को मुक्त नहीं कर सके। आज देश की जवानी का शोषण करने का सरकारी हथियार बन गई। अकाली-भाजपा सरकार के दस वर्ष के कार्यकाल में तो नब्बे प्रतिशत कर्मचारी ठेके पर ही भर्ती किए गए। उन सभी कर्मचारियों को भरोसा दिया गया कि तीन वर्ष पश्चात उन्हें नियमित कर दिया जाएगा। संभवत: 2 प्रतिशत ही कर्मचारी इतने भाग्यशाली रहे कि उन्हें पांच-दस वर्ष बाद नियमित किया गया। शेष जो बेरोजगारी के मारे ठेके की नौकरी की चक्की में पिसने को तैयार हो गए वे प्रौढ़ावस्था में पहुंच रहे हैं, पर उनका वही वेतन, वही अवकाश की शर्तें हैं और काम का बहुत ज्यादा बोझ है।

उन्हें कोई भी राहत नहीं मिली। क्या कोई यह अनुमान करेगा कि उन युवाओं को न विवाह के दिन कोई छुट्टी मिली, न पिता या माता बनने पर अवकाश मिला और न बीमारी के लिए कोई सरकारी राहत मिली। जो थोड़ा-बहुत वेतन मिलता था वही उन्होंने उसे किस्मत स्वीकार कर लिया, पर एक आशा रही कि शायद सरकार कभी उन्हें नियमित कर देगी। शिक्षित जवानी का जितना शोषण सरकारों ने किया, वास्तव में वह राष्ट्रीय अपराध है। इसी कारण देश के बहुत से युवक-युवतियां विदेश के रास्ते पर चल पड़े। इसी सप्ताह प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस ओर देश के युवक चलते हैं उसी ओर देश चलता है। पर आज के युवा तो पासपोर्ट और वीजा दफ्तरों के बाहर खड़े होकर विदेशों में अपनी किस्मत आजमाने के लिए किसी भी कीमत पर जाने को तैयार हैं। क्या समझा जाए कि हमारा देश भी वहीं किस्मत आजमाएगा?

पिछली सरकारों ने तो पुलिस कर्मचारियों को भी तीन वर्ष केवल दस हजार रुपये वेतन पर रखा। पीसीएस और पीपीएस अधिकारी भी पंद्रह हजार रुपये पर भर्ती किए गए। एक अच्छा घरेलू सहायक भी इतने वेतन में नहीं मिलता। इसके साथ ही पांच वर्ष पहले की दीवाली पर बादल सरकार ने बड़े-बड़े समाचार छपवाए, पंजाब के ठेके पर काम करते कर्मचारियों की नौकरी पक्की की जा रही है। चन्नी सरकार की तरह ही उस सरकार ने भी एक दिन का विधानसभा सत्र बुलाकर वहां यह प्रस्ताव पास किया कि तीस हजार ठेका कर्मचारियों को नियमित करना है, पर परिणाम वही ढाक के तीन पात। सरकार बदली और चुनावों से पहले कांग्रेस सरकार ने भी इन बेचारों को आशादीप दिखाया, वोट दीजिए नौकरी पक्की हो जाएगी। वोट दे दिया, पर वे ठेके पर ही रहे। नियमित कर्मचारियों का महंगाई भत्ता पिछले वर्षों में कई बार बढ़ा। नए वेतन आयोग की ओर भी सबकी निगाहें हैं। सांसदों, विधायकों का वेतन, भत्ता बढ़ता ही रहता है। बड़े-बड़े बंगलों में रहने वाले जनता का दर्द महसूस ही नहीं करते। वर्तमान चन्नी सरकार ने भी दस साल से ज्यादा समय से ठेके की नौकरी कर रहे 36 हजार कर्मचारियों को नियमित करने की घोषणा कर दी। इस भुलेखे के साथ कि एक बार फिर वही दीवाली कर्मचारियों के घरों में आ गई, जो पांच साल पहले बादलों ने दी थी, पर आशंका यह थी कि इस छत्तीस हजार में किसका नाम रहेगा या कटेगा। लंबी प्रतीक्षा के बाद जानकारी मिली कि राजभवन में ही 40 दिन से वह फाइल बंद है जो विधान सभा सत्र के बाद राज्यपाल को हस्ताक्षर के लिए भेजी गई। अब फिर तड़प रहे हैं पंजाब के वे कर्मचारी जो प्रौढ़ावस्था को पहुंच रहे हैं। बहुत पहले मैंने पंजाब कांग्रेस के प्रधान सुनील जाखड़ और खजाना मंत्री मनप्रीत बादल से यह कहा था कि थोड़ी-सी राहत इन ठेका कर्मचारियों को दे दें। कौन नहीं जानता कि सुप्रीम कोर्ट का निर्देश है, समान काम के लिए समान वेतन। कम से कम मेडिकल और मेडिकल खर्च अवश्य दें। कर्मचारी के घर संतान पैदा होती है तो उसे छुट्टी दें और इनकी आकस्मिक छुट्टियां बढ़ा दें। एक अच्छे राजनेता की तरह दोनों ने स्वीकार किया। वित्त मंत्री ने तो सात दिन में ही यह सब कर देने का वचन दिया और उसके बाद फोन वचन भी नहीं सुनाई दिए।

ऐसा लगता है कि अब विरोधी पार्टियां सरकार पर आरोप लगाएंगी कि वे कर्मचारियों को नियमित नहीं कर रहे और सरकार राज्यपाल पर। वास्तव में ये सभी एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं। बेकारी, बेरोजगारी, शोषण, भ्रष्टाचार से बचाने की कोई इच्छा इन सरकारों में नहीं। मतदाताओं को इनकी चालें समझनी होंगी। रोजगार देने की जगह मुख्यमंत्री ने नई पीढ़ी को विदेश भेजने की सुविधा देने की घोषणा करते हुए यह कह दिया कि अब आइलेट्स की शिक्षा परीक्षा मुफ्त कर दी जाएगी। सीधी बात कि विदेश में जाकर रोटी कमाओ, सरकार से कोई आशा न रखो।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए सर्दियों में पिएं

गाजर-अदरक सूप

एक तरफ जहां ठंड अपने पीक पर है, वहीं ओमिक्रॉन भी तेजी से भारत में फैल रहा है। ऐसे में अगर आप किसी खास सूप की तलाश में है जो इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ स्वादिष्ट और पौष्टिक तत्वों से भरपूर हो तो आप घर पर गाजर-अदरक का सूप बना सकते हैं। गाजर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए और बीटा-कैरोटीन हर तरह से हमारे शरीर को बीमारियों से दूर रखने का काम करता है। वहीं अदरक में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी इम्यूनिटी मजबूत बनाने का काम करते हैं। इसके अलावा इस सूप में लौंग, काली मिर्च, लहसुन का भी इस्तेमाल किया जाता है जिनमें एंटी ऑक्सीडेंट्स और इंफ्लामेटरी गुण मौजूद होते हैं। कुल मिलाकर, सर्दी-खांसी से बचने और शरीर को गर्म रखने के लिए ये सूप काफी फायदेमंद है।

सर्दियों में गाजर-अदरक सूप पीने के फायदे

- इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है।
- आंखों की सेहत को बेहतर करता है।
- गले में सूजन या खराश की समस्या को ठीक करता है।
- सूप को पीने से ब्लॉक नाक खुल जाती है और बॉडी को गर्म करता है।
- अदरक में एंटीऑक्सीडेंट और इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं जिससे मौसमी बीमारियां दूर रहती हैं।

सूप पीने का सही समय

ज्यादा कैलोरीज होने की वजह से इसे लंच या ब्रेकफास्ट में शामिल करें तो आपको दिनभर एनर्जी मिलती रहेगी। इस सूप को खाली पेट खाने की बजाय आप दलिया, उपमा, चीला आदि के साथ खाएं तो बेहतर होगा। अगर आप रात में कुछ हल्का खाना चाहते हैं तो केवल इस सूप का सेवन करें। ये आपके पेट को रात भर भरा रखेगा और एनर्जी भी देगा।

न्यूट्रिशन वैल्यू

इस सूप में भरपूर मात्रा में विटामिन सी और विटामिन ए होता है। इसके अलावा सूप में आयरन, कैल्शियम पोटेशियम, सोडियम, प्रोटीन और डायटरी फाइबर भी होता है।

इस तरह बनाएं गाजर अदरक

गाजर अदरक सूप बनाने के लिए पैन में ऑलिव ऑयल गरम करें और उसमें प्याज, नमक, काली मिर्च डालकर कम से कम 5 मिनट तक पकाएं। अब उसमें लौंग और लहसुन डाल दें और इसके साथ कटे हुए गाजर मिला दें। अब इसे ढंक कर 5 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें एक से दो इंच अदरक डालें। जब गाजर मुलायम हो जाए तो इसमें एक चम्मच नींबू का रस या विनेगर मिलाएं। लगभग 20 मिनट में ये पककर तैयार होगा। अब इसे गैस से उतारें और हैंड ब्लेंडर से मिक्स कर प्यूरी जैसा बनाएं। आप इसे छन्नी छानकर बाउल में निकालें। आप इसे धनिया पत्ते से डेकोरेट कर सर्व करें।

बैली फैट को कम करता है

लहसुन का पानी

हम ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां जंक फूड या फास्ट फूड हमारे भोजन का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि कुछ लोगों के लिए तो दिन का पूरा खाना ही फास्ट फूड होता है। ऐसे में बैली फैट का बढ़ना स्वाभाविक है। डाइट से ये फैट बता ही चला जाता है। वजन को बढ़ने से रोक पाना बेह्द मुश्किल हो सकता है। ऐसे में क्या करें? इसका एक जवाब हो सकता है कि आप अपने खाने में घर का खाना भी शामिल करें और एक्सरसाइज भी करें पर इससे भी असर धीरे-धीरे होगा। इसका दूसरा जवाब होगा अपने खाने में वजन घटाने के तरीकों को शामिल करना। जी हां, लहसुन का पानी एक ऐसा ही नुस्खा है, जो आपके बैली फैट को घटाने की स्पीड को तेज कर देता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में।

पोषक तत्वों से भरपूर

लहसुन के पानी में कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जैसे कि विटामिन सी, विटामिन बी 6, मैंगनीज और कैल्शियम। यह सभी शरीर के वजन को कंट्रोल करते हैं और चर्बी बढ़ने से रोकते हैं।

लहसुन का पानी कैसे बनायें

एक गिलास में गर्म पानी लें फिर उसमें लहसुन को कूट कर डाल दें और साथ में आधा नींबू का रस भी मिक्स कर दें। चाहें तो साथ में शहद भी मिला सकते हैं। लहसुन का पानी तैयार है। इसे रोज पीने से वजन में काफी कमी होती है।

डीटॉक्स ड्रिंक

लहसुन का पानी डीटॉक्स ड्रिंक होता है, इससे आपके शरीर में मौजूद सारे टॉक्सिक पदार्थ बाहर निकलने लगते हैं। इससे आपके पेट की सफाई होती है और इम्यूनिटी बढ़ती है। जिसके चलते वज़न में काफी कमी होती है।

पाचन शक्ति करे मजबूत

लहसुन की तासीर गर्म होती है और ये सर्दियों में काफी लाभकारी होता है। लहसुन का पानी पीने से पाचन शक्ति बढ़ती है और ये शरीर की चर्बी खत्म करने में बहुत मदद करता है।

हंसना मना है

पति पत्नी से – तुझ में रब दिखता है यारा मैं क्या करूं ? पत्नी– नारियल फोड़, प्रसाद चढ़ा, पूजा कर और जो मैं कहूं उसे रब की इच्छा मान लिया कर। वैलेंटाइन पर लड़के ने लड़की के दिल पर अपना नाम लिखा। दिल बोला – इडियट तुझसे पहले जिनके नाम लिखे हैं उनके तो पहले मिटा..

श्याम ने एक अजनबी लड़की से कहा: आपने पहचाना मुझे? लड़की: नहीं, आप कौन हो? श्याम: मैं वही हूं, जिसे आपने कल भी नहीं पहचाना था।

पापा: बेटा, अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं। बेटा: लेकिन पापा, भारत में तो एक साल का बच्चा भागने लगता है।

हसबैंड वाइफ हाथ पकड़े बाजार जा रहे थे। उन्हे देख कर दोस्त बोला, इतने साल बाद भी इतनी मोहब्बत. हसबैंड बोला, ओ भाई! कैसी मोहब्बत? हाथ छोड़ते ही दुकान मे घुस जाती है!

आंटी डॉक्टर के पास गयीं। आंटी मेरे घुटने में बहुत दर्द है डॉक्टर। आपका वजन कितना है? आंटी– चश्मा लगा के तो 83 किलो है डॉक्टर और बिना चश्मे के? आंटी– बिना चश्मे के मुझे दिखता ही नहीं।

कहानी | चतुर किसान

बहुत समय पहले की बात हैं। गर्मियों का दिन था और तपती दोपहरी में एक किसान अपने खेत में हल जोत रहा था। उसी समय उधर से भगवान शिव गुजर रहे थे। उन्होंने जब किसान को इस भयंकर तप्ती दोपहरी में हल चलाते देखा तो उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। भगवान शिव एक गड़रिया का रूप धारण कर उस किसान के पास गये और बोले-अरे भाई। तुम इस तपती दोपहरी में खेत क्यों हांक रहे हो? क्या तुम्हें नहीं पता कि बारिश होने पर ही खेत की हंकाई की जाती हैं और अभी तो दूर दूर तक बारिश के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। देखो आसमान में दूर दूर तक कोई बादल भी दिखाई नहीं दे रहा हैं। गड़रिया की बात सुनकर किसान ने कहा-हां भाई तुम्हारी बात सही हैं लेकिन मुझे पक्का विश्वास है कि आज रात बारिश होगी और जरूर होगी। भगवान शिव किसान की ये बात सुनकर थोड़े मुस्कुराए और बोले- तुम इतना यकीन से कैसे कह सकते हो कि आज रात बारिश होगी ही। क्या तुम कोई अंतर्यामी हो? किसान- नहीं! लेकिन देखना आज रात बारिश जरूर होगी। गड़रिया-ठीक हैं देखते हैं कैसे होती हैं आज रात बारिश। ये कहकर भगवान शिव वहां से चले गए। उसी रात अचानक जोरदार बारिश होने लगती हैं। ये देखकर भगवान शिव अचंभित हो गए। उन्होंने राजा इंद्रदेव को बुलाया और कहा-राजा इंद्र! तुमने आज ये बेमौसम बारिश क्यों की? इंद्रदेव: माफ करो भगवन, मैं मजबूर था। क्योंकि मोरों की पुकार सुनकर मुझसे रहा नहीं गया। इसलिए मैंने ये बारिश की हैं। भगवान शिव-तो फिर सभी मोरों को बुलाओ। अब सभी मोर इकट्ठे हुए तो उनसे पूछा कि तुम सब आज बेवजह क्यों बोल रहे थे। तो मोरों ने कहा: क्षमा करें भगवन! हम क्या करते, हम भी मजबूर थे। क्योंकि हमने भी झींगुरों को तेज आवाज में बोलते हुए सुना था। उनको बोलता देखकर हमसे भी रहा नहीं गया। इसलिए सारा दोष उन झींगुरों का हैं। भगवान शिव: ठीक है तो फिर सभी झींगुरों को बुलाओ! जब सब झींगुर इकट्ठे हुए तो भगवान शिव फिर बोले: क्यों भई तुम आज क्यों बिना वजह बोल रहे थे। क्या ये बारिश का समय हैं? तो झींगुर बोले-भगवन हम भी क्या करते हम भी मजबूर थे क्यूंकि हमने भी जुगनू को चमकते हुए देखा था। भगवान शिव- तो फिर सभी जुगनुओं को बुलाया जाये। सभी जुगनू हाजिर हुए तो उनसे भी फिर वही सवाल- बताओ तुम क्यों चमके, क्या तुम्हारी भी कोई मजबूरी थी? इस पर सभी जुगनू एक साथ बोले- नहीं भगवन हम कसम खाते हैं आज हममे से कोई भी नहीं चमका। जुगनुओं की बात सुनकर भगवान शिव आश्चर्य में पड़ गए और बोले-ऐसा कैसे हो सकता है। जब तुममे से कोई भी नहीं चमका तो फिर कौन चमक रहा था? तभी एक झींगुर बोला-हां मैंने देखा हैं उस जुगनू को। भगवान शिव बोले-कहा देखा हैं उसे? जल्दी बताओ। झींगुर-तो फिर आओ मेरे पीछे पीछे। थोड़ी देर चलने के बाद वो उसी किसान के खेत में जा पहुंचे। झींगुर बोला: वो देखो वो अब भी वहीं चमक रहा हैं जहां पहले भी मैंने उसी जगह पर देखा था। आओ नजदीक जाकर देखते हैं। जब सब नजदीक पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एक पेड़ के नीचे बैठकर वो किसान बीड़ी पी रहा था। किसान की ये चालाकी देखकर भगवान शिव बेहद प्रसन्न हुए और अपने असली रूप में आकर कहा-हे मानव! सचमुच तुम बहुत चालाक हो लेकिन तुम्हारे इस द्रढ़ विश्वास ने आज मुझे भी हरा दिया। सदा खुश रहो।

कहानी से शिक्षा: खुद पर पक्का यकीन हो तो कोई काम मुश्किल नहीं होता।

5 अंतर खोजें

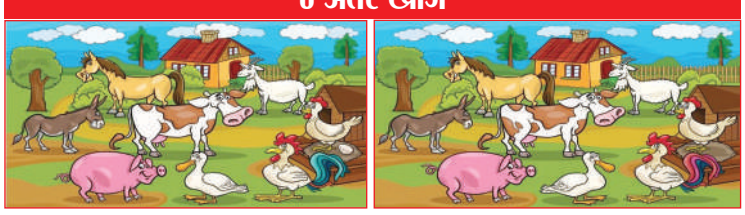

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आलस्य के कारण कोई काम टल सकता है। ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से वाद-विवाद या मतभेद होने की भी संभावना है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें।

तुला

तुला- आज कोई काम में आपकी मदद कर सकता है. समय के साथ चलें, आप जो काम करना चाहते हैं या अपनी योजना के बारे में जल्द ही कोई अच्छी खबर मिल सकती है। थोड़ा धैर्य रखें।

वृषभ

जो योजनाएं आपके हाथ में हैं उनके अलावा आपके हाथ में और भी बहुत से काम होंगे। कार्यक्षेत्र में प्राप्त शुभ समाचार को सुनने के लिए अपने आंख-कान खुले रखें।

वृश्चिक

आज वही करें जो मन को अच्छा लगता है, शुभ समाचार मिलेगा आज आपका अनुशासन भंग हो सकता है. पुराने मामले न उठाएं। खर्चे भी होने की संभावना बन रही ह

मिथुन

काम के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। साथ ही नई जमीन खरीदने का भी मौका मिल सकता है। आज नौकरी में तरक्की के योग हैं। आय और व्यापार के मामले में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

धनु

आज का दिन अच्छा रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी और के सामने न रखें अन्यथा दूसरा इसका फायदा उठा सकता है।

कर्क

ऑफिस में संभलकर रहने की जरूरत है। कोई आपकी परेशानी का कारण बन सकता है। किसी की मदद सोच-समझकर लें, क्योंकि आज धोखे की प्रबल संभावना है।

मकर

अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों का लुत्फ उठाएंगे. आप महसूस करेंगे कि सफलता पाने की आग आपके अंदर है। और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

सिंह

अधिकारी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। बुरी आदतों और नशीले पदार्थों से दूर रहें, नहीं तो आप और अधिक परेशान होंगे। शारीरिक थकान और आलस्य जैसी छोटी-मोटी परेशानियां भी बनी रहेंगी।

कुम्भ

निवेश करते समय सावधान रहें। व्यापार में लाभ होगा। इस राशि के छात्रों को अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। कला क्षेत्र से जुड़े छात्रों को आज अच्छा पैसा मिलेगा।

कन्या

आज आपको मेहनत से कम फल मिलेगा। फिर भी काम के प्रति आपकी लगन कम नहीं होगी। अन्य लोगों के साथ संबंध ठीक रहेंगे। सेहत आज अच्छी रहेगी।

मीन

आज आपके प्रेम संबंधों में नई जान आएगी। आप अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ऐसा करने से आपका जीवन के प्रति नजरिया बदल जाएगा।

कानूनी पचड़ों में फंसी राजामौली की RRR

डायरेक्टर एस.एस. राजामौली की फिल्म आरआरआर को लेकर सोशल मीडिया पर खूब धमाल मचा हुआ है। दर्शकों को बेसब्री से इस फिल्म का इंतजार है। लेकिन अब यह फिल्म रिलीज होने से पहले ही कानूनी पचड़ों में फंसी हुई नजर आ रही हैं। फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करते हुए इसके खिलाफ तेलंगाना हाई कोर्ट में पीआईएल तक दाखिल करवा दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कहा जा रहा है कि फिल्म में दो स्वतंत्रता सेनानियों का इतिहास दिखाया गया है, जिसे गलत तरीके से पेश किया है। अब आरआरआर के खिलाफ यह पीआईएल पश्चिमी गोदावरी जिले के एक स्टूडेंट के द्वारा दर्ज करवाई गई है। छात्र का कहना है कि फिल्म में कई ऐतिहासिक तथ्यों के साथ छेड़छाड़ हुई है। सेंसर बोर्ड को इस तरफ ध्यान देना चाहिए और कड़े कदम उठाने चाहिए। इस मामले में जस्टिस वैंकटेशवर रेड्डी और उज्जवल भूयन द्वारा केस की सुनवाई की गई है। अब अगली सुनवाई का इंतजार है। दूसरी ओर फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर आरआरआर की टीम की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, ऐसे में फिल्म की रिलीज का कितना इंतजार करना होगा इस पर कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस की वजह से कई राज्यों में सिनेमाघर बंद किए जाने की वजह से पहले ही फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई थी। यह फिल्म पहले 7 जनवरी को थिएटर्स में दस्तक देने वाली थी। बता दें कि इस फिल्म से आलिया भट्ट और अजय देवगन भी साउथ इंडस्ट्री में डेब्यू कर रहे हैं। ऐसे में फिल्म के लिए हिन्दी दर्शकों में और उत्सुकता और बढ़ गई है।

बॉलीवुड | मसाला

56 करोड़ के आलीशान घर में इसी साल गृह प्रवेश करेंगे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत के घर का पता जल्द ही बदलने वाला है। ऐक्टर ने 56 करोड़ में एक आलीशान घर खरीदा है। बताया जाता है कि घर अभी बनकर तैयार हो रहा है और दोनों मियां बीवी इसी साल इस नए घर में शफ्टि होने वाले हैं। शाहिद ने बांद्रा-वर्ली सी-लिंक के निकट 360-वेस्ट में एक बहुमंजिला इमारत के 42वें और 43वें फ्लोर पर यह ड्यूप्लेक्स अपार्टमेंट खरीदा है। यह घर शाहिद ने 2018 के सितंबर महीने में बेटे जैन के जन्म के आसपास खरीदा था।

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत ने 2015 में शादी की थी। इसके बाद यह कपल 2016 में पहली बार पैरेंट्स बने। बेटी मीशा का जन्म हुआ। शाहिद कपूर ने हाल ही बताया है कि वह जल्द ही अपने नए घर में शिफ्ट हो जाएंगे। ऐक्टर ने कहा कि यदि सबकुछ ठीक रहा तो वह इसी साल नए घर में गृह प्रवेश करेंगे। नए घर की जरूरत की बात करते हुए शाहिद कहते हैं, मीशा और जैन के जन्म के बाद हमें घर में अधिक स्पेस की जरूरत महसूस होने लगी। हमने नया घर देखा और वहां का माहौल हमें बहुत पसंद आया। शाहिद बताते हैं, यह नया घर हमारे मौजूदा घर से काफी बड़ा भी है। समय के साथ बच्चों को घर में अधिक जगह की जरूरत पड़ती है। फैमिली अदरक की तरह होती है, फैलती रहती है। परिवार के बड़ा होने का एहसास बहुत ही सुखद होता है। कुछ समय पहले मीरा राजपूत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर नए घर की झलक दिखलाई थी। शाहिद और मीरा इस वक्त अपने बच्चों के साथ जुहू इलाके में रहते हैं। शाहिद का यह नया घर 8,625 स्क्वायर फीट का है। इस घर से सी-लिंक का खूबसूरत नजारा दिखता है। 2018 में इस घर के लिए शाहिद कपूर ने कथित तौर पर 56.6 करोड़ रुपये घर खर्च किए। इसके अलावा घर की रजिस्ट्री के लिए 2.91 करोड़ रुपये अलग से चुकाने पड़े।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे फिल्म के सेट पर पूरा क्रू महिलाओं का होगा : रिचा चड्ढा

अभिनय के साथ ही सिनेमा की अन्य विधाओं में अपने लिए विकल्प तलाशने वाले सितारों में रिचा चड्ढा का नाम भी जुड़ गया है। रिचा ने बतौर निर्माता अपनी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की घोषणा की है... रिचा चड्ढा ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने के साथ ही यह भी तय कर लिया है कि उनकी फिल्म के सेट पर पूरा क्रू महिलाओं का होगा। रिचा इसके जरिए कई बातें कहना चाहती हैं, जो उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अनुभव किया है। वह कहती हैं कि भगवान ने मुझे दिमाग दिया है। मैं उसका इस्तेमाल कर रही हूं। अगर मुझे लेखन आता है, नाच-गाना आता है तो मैं वह करूंगी। जब मैं फिल्म इंडस्ट्री में आई थी, तब मुझे एक डिब्बे में डाल दिया गया। इंडिपेंडेंट सिनेमा बनाने वाले कई लोगों ने मुझसे कहा कि तुम कुत्ते में क्यों नहीं नजर आती हो, जींस क्यों पहनती हो। खैर, उनकी अपनी दिक्कतें हैं, उनका दिमाग महिलाओं को लेकर इससे आगे सोच नहीं पाता है। मैं काफी ऊब गई हूं इस तरह के लोगों के दिमाग और स्टीरियोटाइप किए जाने से, इसलिए मैंने खुद कंटेंट क्रिएट करने के बारे में सोचा।' रिचा आगे कहती हैं, 'हमारी फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' की शूटिंग अगले साल सितंबर में शुरू होगी। मैंने पहले ही तय कर लिया था कि पूरा क्रू महिलाओं का होगा। फिल्म संवेदनशील विषय पर आधारित है। हम कुछ युवा कलाकारों के साथ काम करेंगे। सेट पर महिलाओं या लड़कियों को लेकर जो धारणा होती है कि वो फलां तरीके से उठेंगी, बैठेंगी, ऐसे कपड़ पहनकर आएंगी, अलग-अलग क्रू के लिए अलग खाना लगेगा। इस तरह की चीजें मैं अपने सेट पर नहीं चाहती हूं। सेट पर जो लड़कियां होंगी, उन्हें यह नहीं सोचना होगा कि मुझे कैसे बर्ताव करना है। मैं चाहती हूं कि वे सेट पर एक सेकेंड के लिए भी असहज न हों कि कोई उन्हें देख रहा है। मैंने ये चीजें खुद अनुभव की हैं।

अजब-गजब | धधकते शोलों के बीच कैसे पहुंचा? वैज्ञानिक भी हैरान

चट्टान पर मिले शैतान के पैरों के निशान

वैज्ञानिकों को एक चट्टान पर शैतानी आकार के पैरों निशान दिखाई मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जहां वैज्ञानिकों को यह विशाल पैरों के निशान मिले हैं, अनुमान लगाया जा रहा है कि वहां का तापमान करीब 300 डिग्री सेल्सियस रहा होगा। ऐसे में वैज्ञानिक भी आश्चर्य में हैं कि इतने अधिक तापमान वाली जगह पर कोई जिंदा कैसे रह सकता है। ये दैत्याकार पैरों के निशान इटली में एक ज्वालामुखी के करीब मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान लगाया गया है कि ये विशाल पैरों के निशान निएंडरथल के होंगे, जो ज्वालामुखी विस्फोट के ठीक बाद ऊपर की तरफ आगे बढ़ते रहे होंगे। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये निशान हजारों साल पहले के हैं और उस वक्त मानव का आकार आज के इंसानों की तुलना में काफी विशाल था। फुटप्रिंट के ट्रैक को 'सिआम्पेट डेल डियावोलो' या 'डेविल्स ट्रेल' के रूप में जाना जाता है। जहां ये विशाल फुटप्रिंट मिले हैं, वह रोक्केमोनफिना एक विलुप्त ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी दक्षिण इटली में स्थित है। हालांकि यह ज्वालामुखी हजारों साल से फटा नहीं है। वहीं रेडियोमेट्रिक और भूवैज्ञानिकों के अनुसार ये विशालकाय पैरों के निशान करीब तीन लाख 50 हजार पुराने है। उस वक्त जब यह ज्वालामुखी फटा होगा तो उसकी बची नर्म राख में प्रिंट्स डाले गए थे।

खोज में लगे वैज्ञानिक : वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की टीम इन पैरों के निशान का समय काल और आकार का पता लगाने की कोशिश कर रही है। साथ ही टीम यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हजारों साल पहले भौगोलिक और इंसानी समीकरण कैसा था। इटली की कई संस्थाओं के वैज्ञानिकों को करीब 14 और प्रिंट की जानकारी मिली है, जो पहले प्राप्त निशान से बड़े हैं। इनमें से कुछ पैरों के निशान नीचे की बजाय ऊपर पहाड़ की तरफ मिले हैं।

हैरान हैं खोजकर्ता :वैज्ञानिक और खोजकर्ता भी इन पैरों के निशान को लेकर आश्चर्यचकित हैं। उनका मानना है कि ज्वालामुखी विस्फोट के बाद निकली गर्म राख 300 डिग्री सेल्सियस तक धधकती रहती है जिसे करीब 50 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करने की ज़रूरत होती है। इसमें कई घंटों का समय लगता है। ऐसे में इतनी गर्म राख की परत पर चलना किसी भी इंसान के लिए नामुमकिन जैसा होगा। इस वजह से वहां मिले रहस्यमयी फुटप्रिंट्स वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं के लिए अचरज का विषय है, जिस पर और जानकारियां जुटाने का काम जारी है।

इस इंसान में है मशीन जैसे गुण, जिसे कहा जाता है दुनिया का पहले रोबोमैन

आज के दौर में बिना टेक्नोलॉजी के रहना इंसान की कल्पना के बाहर है। अब हम बिना टेक्नोलॉजी के एक कदम भी नहीं चल सकते हैं। हालांकि अभी भी वैज्ञानिक इंसानों को बनाने में समर्थ नहीं है लेकिन उनकी कोशिश अभी भी जारी है। वैज्ञानिकों की इसी कोशिश ने रोबोमैन को जन्म दिया है जो आधा इंसान और आधा मशीन है। आज हम आपको विज्ञान के इसी अनोखे प्रयोग के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे ब्रिटेन के एक वैज्ञानिक ने अंजाम दिया है। इसीलिए उन्हें दुनिया का पहला रोबोमैन कहा जा रहा है। दरअसल, ब्रिटेन के रहने वाले वैज्ञानिक डॉक्टर पीटर स्कॉट मॉर्गन ने 62 साल की उम्र में खुद को जिंदा रखने के लिए इस नायाब कोशिश को अंजाम दिया है, जिससे उन्होंने दुनिया के सामने एक अनोखी मिसाल पेश कर दी है। दरअसल, डॉ. पीटर स्कॉट मॉर्गन को मोटर न्यूरॉन नाम की एक घातक बीमारी थी, जिसके कारण उनकी मांसपेशिया बर्बाद हो रही थीं। उनके शरीर के कई अंग काम करना बंद करने लगे थे। इसके बाद उन्होंने विज्ञान का सहारा लिया और रोबोटिक्स का उपयोग करके अपने जीवन को एक नया आयाम दिया। अब डॉ. पीटर मशीनों की मदद से वे सभी काम आसानी से कर लेते हैं, जिन्हें कोई स्वस्थ व्यक्ति करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉ। मॉर्गन को साल 2017 में मांसपेशियों को बर्बाद करने वाली इस दुर्लभ बीमारी मोटर न्यूरॉन का पता चला था। इसके बाद 2019 में उन्होंने खुद को आधा इंसान और आधे रोबोट में ढालने का काम शुरू किया और आज वह न सिर्फ जिंदा हैं बल्कि दुनिया के लिए एक मिसाल बन गए हैं। वह कहते हैं, मैं हमेशा से ऐसा मानता रहा हूं कि जीवन में ज्ञान और तकनीक के सहारे बहुत सी खराब चीजों को बदला जा सकता है। आधा इंसान और आधे रोबोट बनने के दौरान डॉ। मॉर्गन ने कई ऐसी चीजें ईजाद की हैं, जो अविश्वसनीय हैं। उन्होंने ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बॉडी लैंग्वेज को बताने की तकनीकी ईजाद की है। साथ ही उन्होंने आई-ट्रैकिंग तकनीक की भी खोज की है, जो कई कंप्यूटरों को नियंत्रित करने में सक्षम है।

अब राज्य कर्मियों व पेंशनर्स का बनेगा स्टेट हेल्थ कार्ड, मिलेगा कैशलेस इलाज

» प्रदेश सरकार ने जारी किया शासनादेश, प्राइवेट अस्पतालों में भी मिलेगी सुविधा

» 300 करोड़ का कार्पस फंड बनाया जाएगा

गीताश्री

लखनऊ। राज्य कर्मचारियों व पेंशनर्स को साल भर में निजी अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा दिए जाने का शासनादेश शुक्रवार को जारी कर दिया गया। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद की ओर से पंडित दीन दयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस योजना लागू करने का आदेश जारी किया गया है।

राज्य कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके परिवार के लोगों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने के लिए स्टेट हेल्थ कार्ड बनाए जाएंगे। आनलाइन स्टेट हेल्थ कार्ड बनाने की जिम्मेदारी स्टेट एजेंसी फार हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (सर्विसेज) को दी गई है। सभी विभागाध्यक्षों की जिम्मेदारी होगी कि वह अपने विभाग के कर्मियों व पेंशनर्स के स्टेट हेल्थ कार्ड बनवाएं। आयुष्मान भारत योजना के तहत मरीजों का उपचार कर रहे प्राइवेट अस्पतालों में यह सुविधा दी जाएगी। प्रदेश के सरकारी चिकित्सा संस्थानों व मेडिकल कालेजों में भी कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। यहां प्राइवेट अस्पतालों की तरह इलाज में खर्च होने वाली धनराशि की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं की गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग अपने चिकित्सा संस्थानों व मेडिकल कालेजों को धनराशि देने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 200 करोड़ और जिला अस्पतालों आदि में इलाज कैशलेस इलाज के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग 100 करोड़ रुपये का कार्पस फंड बनाएगा। कैशलेस चिकित्सा सुविधा के लिए बनाए गए कार्पस फंड से सरकारी चिकित्सालयों को इलाज पर होने वाले खर्चे की 50 प्रतिशत धनराशि दी जाएगी। बाकी 50 प्रतिशत धनराशि उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर वित्त विभाग द्वारा दी जाएगी।

रोडवेज कर्मियों को मिलेगा 17 फीसद महंगाई भत्ता

लखनऊ। शासन ने उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम कर्मियों के 17 फीसदी बकाया महंगाई भत्ते पर मुहर लगा दी है। अभी तक रोडवेज कर्मियों को सिर्फ सात फीसदी महंगाई भत्ता मिलता था। शुक्रवार को इस आशय के आदेश परिवहन निगम प्रशासन को भेज दिए गए। इसमें जुलाई 2021 से 17 फीसदी महंगाई भत्ता दिए जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे प्रदेश भर के 18,000 नियमित कर्मी लाभान्वित होंगे। उन्हें दो से छह हजार रुपए प्रतिमाह फायदा होगा। संगठनों के कर्मचारी नेताओं ने परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक रहे नवदीप रिनवा और प्रमुख सचिव परिवहन आरके सिंह के प्रयासों का आभार जताया।

मुठभेड़ में दस तस्कर गिरफ्तार, दो करोड़ का गांजा बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगरा के थाना सैंया क्षेत्र में सीआईडब्लू टीम, स्वाट और सर्विलांस टीम के संयुक्त ऑपरेशन में मुठभेड़ में गोली लगने से दो मादक पदार्थ तस्कर घायल हो गए जबकि आठ अन्य को घेरकर पकड़ लिया गया। इनके कब्जे से दो करोड़ की कीमत का 800 किलो गांजा, दो ट्रक, एक कार, दो तमंचे, भरे और खाली कारतूस बरामद हुए हैं।

एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिली कि सैंया क्षेत्र में गांजे की तस्करी के वाहन गुजरने वाले हैं। इस पर दो टीमे बनाकर चेकिंग शुरू की गई। ग्वालियर रोड पर गांजे को कार में पलटा जा रहा था। पुलिस ने बदमाशों को सरेंडर करने के लिए कहा। इस पर बदमाशों से मुठभेड़ हुई। पकड़े गए तस्करों के नाम संजय अग्रवाल, वीरेंद्र, बबलू, रविंदर सिंह, विवेक उर्फ गब्बर, कन्हैया, मोहित, वीरू, देशराज और शिवम यादव हैं। संजय एवं वीरेंद्र मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हुए हैं, जिन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेजा गया है।

बिहार में सियासत गर्म, राजद ने दिया नीतीश को साथ आने का ऑफर

» भाजपा ने किया पलटवार कहा दोबारा नहीं चढ़ती काठ की हांडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति को राष्ट्रीय जनता दल ने सत्तारूढ़ जदयू को अपने साथ आने की पेशकश कर गर्म कर दिया। यह पेशकश लालू यादव के खास और राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने की।

उन्होंने कहा कि भाजपा के आगे नीतीश कुमार झुके नहीं। विशेष राज्य का दर्जा और जातीय जनगणना के मुद्दे पर नीतीश सरकार पर किसी तरह का राजनीतिक असर पड़ता है तो महागठबंधन नीतीश कुमार का साथ देने के लिए खड़ा है। वहीं, राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि जाति जनगणना और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए बिना बिहार की जनता का भला नहीं हो सकता। बिहार का विकास भाजपा बाधित कर रही है इसलिए नीतीश कुमार को भाजपा के साथ पर पुनर्विचार करना चाहिए। वहीं, राजद के ऑफर पर भाजपा ने पलटवार किया है। पार्टी प्रवक्ता प्रेमरंजन पटेल ने कहा की राजद को विश्वास हो गया है कि वह अपने बूते सरकार नहीं बना सकती। विधान सभा चुनाव में ताकत लगाकर देख लिया है, पर सफल नहीं हुए। नीतीश कुमार अब राजद के साथ जाने वाले नहीं हैं। काठ की हांडी दोबारा नहीं चढ़ती। जिस तरह से नीतीश कुमार को राजद ने अपमानित किया है, वे उनके साथ नहीं जाएंगे।

जरूरतमंदों को वितरित किया कंबल और दवा

अमरेंद्र मेमोरियल ट्रस्ट ने सिटी पैलेस के संस्थापक को किया याद

» कई संस्थाओं के संस्थापक थे डॉ. अमरेंद्र बहादुर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। अमरेंद्र मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में कई संस्थाओं के संस्थापक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. अमरेंद्र बहादुर सिंह की स्मृति में उनके जन्म दिवस पर जरूरतमंदों को कंबल, दवा और मिठाइयां वितरित की गयीं।

उनके पुत्र आईएएस अभय सिंह और पुत्रवधु माधवी सिंह ने इस मौके पर प्रतापगढ़ में जरूरतमंदों को कंबल, दवाई और मिठाइयां वितरित कीं। सिटी पैलेस के संस्थापक डॉ. अमरेंद्र बहादुर सिंह ने सामाजिक कार्यक्षेत्र में बहुत प्रसिद्धि प्राप्त की थी। लोग उन्हें सम्मान से बाबूजी कहते थे। उन्होंने राजनीति, पर्यावरण समेत विभिन्न विषयों पर दो दर्जन किताबें लिखी। उनके द्वारा लिखित किताबें कई विश्वविद्यालय में पढ़ाई जा रही हैं। उनकी मृत्यु पिछले साल हुई थी। बाबू जी की मृत्यु के बाद उन पर आश्रित निराश्रित हो गए हैं। वे हर साल 5 जनवरी को अपने जन्म दिवस पर एक बड़ा आयोजन कर गरीबों की सहायता करते थे। उनके विचार और सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए उनके पुत्र अभय सिंह एवं पुत्रवधू माधवी सिंह ने उनके जन्मदिवस पर ट्रस्ट की ओर से जरूरतमंदों की सेवा जारी रखे हुए हैं। इसके पहले बाबू जी की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इस मौके पर राजीव पांडेय, एके सिंह, गणेश प्रताप सिंह काशी, राजीव सिंह, अनिल सिंह बब्लू, अनुज कुमार सिंह, राजू तिवारी, दिनेश तिवारी, राशिद अहमद, हरिकेश बहादुर सिंह, अमित सिंह, जगदीश शर्मा व अनिल कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

भाजपा जीती तो अरविंद शर्मा होंगे सीएम!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» नाराज ब्राह्मणों और पिछड़ों को दिया जा रहा संकेत

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले ही भाजपा में संभावित मुख्यमंत्रियों के नामों को लेकर विवाद अभी से शुरू हो गया है। मऊ में भाजपा के पूर्व सांसद ने कहा कि अरविंद शर्मा हमारे अगले मुख्यमंत्री होंगे। अरविंद शर्मा पीएम मोदी के काफी करीबी हैं। क्या इसके जरिए ब्राह्मणों और पिछड़ों को संकेत दिया जा रहा है कि मुख्यमंत्री बदल दिया जाएगा या भाजपा जीती तो अरविंद शर्मा को प्रदेश का सच में सीएम बनाया जाएगा? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार दीपक शर्मा, अमलेंदु उपाध्याय, अजय शुक्ला, अरुणा सिंह, चिंतक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

अजय शुक्ला ने कहा, भाजपा हमेशा कुछ शिगुफे छोड़ती है और उसकी प्रतिक्रिया देखकर कार्रवाई करती है। जब अरविंद शर्मा को यहां भेजा गया था तब लग रहा था कि उनको यहां बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी लेकिन सीएम योगी ने ऐसा नहीं होने दिया। जाहिर है पीएम मोदी उनको प्रदेश की बागडोर दे सकते हैं।

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, भाजपा ने टेस्ट करने के लिए यह फुलझड़ी छोड़ी गयी है। ब्राह्मणों और भूमिहारों में नाराजगी जाहिर है। अब योगी का चेहरा सामने रहता है तो इससे भाजपा को नुकसान होगा। चुनाव के बाद क्या होगा, इसके बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मोदी के अनुसार टिकट बंटेंगे तो ऐसा हो भी सकता है। अरुणा सिंह ने कहा, मोदी और योगी के बीच खींचतान चल रही है। इसका असर चुनाव बाद भी दिखेगा।

दीपक शर्मा ने कहा, अरविंद शर्मा बेहद अच्छी छवि के नौकरशाह रहे हैं। ऐसे अधिकारी को मोदी ने लखनऊ भेजा ताकि प्रदेश की हालत सुधर सके। कामों में गति लाने के लिए उन्हें यहां भेजा गया लेकिन उनके साथ जिस तरह का व्यवहार सीएम योगी ने किया वह मोदी का बड़ा अपमान था। किसी तरह उनको यूपी की राजनीति में सेट किया गया। रविकांत ने कहा, योगी जब मुख्यमंत्री बने तो ब्राह्मण और भूमिहार बेहद नाराज हुए। मनोज सिन्हा को सीएम नहीं बनाया गया। अरविंद शर्मा का अपमान किया गया। इस बयान से भरपायी करने की कोशिश की गयी है। अगर भाजपा जीतती है तो मोदी उसको लेकर आएंगे जो 2024 के लोक सभा चुनाव में मुफीद होगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

पंजाब में तत्काल लागू करें राष्ट्रपति शासन : अमरिंदर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा चूक मामले में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी व गृह मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को जिम्मेदार ठहराया है। कैप्टन ने उन्हें पद से हटाने की मांग की।

कैप्टन ने कहा कि फिरोजपुर में प्रधानमंत्री के काफिले को पंजाब सरकार की ओर से सुरक्षित रास्ता मुहैया न कराया जाना गलत है। इसके लिए केवल पुलिस अधिकारियों को क्यों जिम्मेदार ठहराया जा रहा है जबकि मामले में केवल सीएम चन्नी व गृहमंत्री रंधावा जिम्मेदार हैं। अब वह कायरों की तरह जिम्मेदारी से न भागें। इन दोनों को पद से हटाया जाए और पंजाब में तत्काल राष्ट्रपति शासन लागू करें। पीएम मोदी के वापस जाने से पंजाब को ही नुकसान हुआ है, क्योंकि वह करोड़ों के विकास प्रोजेक्टों की सौगात देने वाले थे। एक सवाल के जवाब में कैप्टन ने कहा कि वह खुद को सीएम पद का दावेदार नहीं मानते हैं क्योंकि इस बारे में फैसला बाद में सभी मिलकर लेंगे। कैप्टन ने इस मौके एक बार फिर से बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ दर्ज एफआईआर को गलत बताया।

» पीएम की सुरक्षा में चूक के लिए सीएम चन्नी और गृहमंत्री रंधावा को बताया जिम्मेदार

शिक्षक अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

लखनऊ(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। बेसिक शिक्षा विभाग में खाली पड़े शिक्षक पदों पर नियुक्ति न होने से नाराज 69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। शिक्षक अभ्यर्थियों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट को लागू किए जाने की मांग की लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

फोटो: सुमित कुमार

कड़ाके की ठंड से ठिठुरा यूपी, लखनऊ में बारिश

» तीसरे दिन भी कई जिलों में रिमझिम बारिश

» रातभर गरज के साथ बूंदाबांदी ने बढ़ाई सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में कल दिनभर बादल छाए रहे तो वहीं आज हल्की बारिश से शहरवासी घरों में दुबके हुए हैं। प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आने वाले दो दिनों तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। साथ ही कुछ जिलों में गरज और चमक के साथ बारिश की भी संभावना जताई है। दिन में सूरज न निकलने के कारण ठंड बढ़ेगी, जबकि रात के समय न्यूनतम तापमान अधिक हो जाने से सर्दी का असर कम रहेगा।

आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता के अनुसार आने वाले दो से तीन दिनों तक मौसम इसी तरह बना रहेगा। प्रदेश के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी के साथ हल्की बारिश हो सकती है और हल्का से मध्यम कोहरा भी सुबह देखा जा सकता है। वहीं रात में गरज-चमक के साथ हुई बारिश ने ठिठुरन बढ़ा दी है। बारिश के बाद

फोटो: सुमित कुमार

न्यूनतम तापमान में भले ही बढ़ोत्तरी हुई हो, लेकिन धूप नहीं निकलने से सर्दी का सितम जारी है। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिकों का कहना है कि 10 जनवरी तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। राजधानी लखनऊ में भी तीसरे दिन रुक-रुक कर बारिश जारी है। रात में बूंदाबांदी के बाद सुबह साढे पांच बजे रिमझिम बारिश शुरू हुई। अभी 48 घंटे और तेज बारिश के आसार बन रहे हैं।

संजय निषाद बोले-

24 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में निषाद पार्टी 24 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इन सीटों पर उतरने वाले उम्मीदवारों की घोषणा भी जल्द कर देंगे। यह बयान निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिया। उन्होंने कहा भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाएंगे।

उन्होंने कहा हमारा समाज भाजपा के साथ खड़ा है। प्रदेश में भाजपा के सहयोगी दल के रूप में निषाद पार्टी भी है। संजय निषाद की मानें तो उनकी पार्टी गठबंधन में दो दर्जन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि वह निषाद बाहुल्य 160 सीटों को जिताकर एनडीए की झोली में डालेंगे। उन्होंने कहा 70 सीटों पर बूथ गठन निषाद पार्टी ने किया है। इसमें से सीटें लेने का काम निषाद पार्टी करेगी। उन्होंने कहा उन्हें भरोसा है कि बीजेपी को निश्चित तौर पर 2022 में भी ऐतिहासिक जीत मिलेगी।

कोविड प्रोटोकॉल के तहत किन्नर समाज सपा के लिए करेगा सम्मेलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वाराणसी में कोविड प्रोटोकॉल के तहत किन्नर समाज जल्द ही एक सम्मेलन आयोजित करेगा। इस सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश भर के किन्नरों से आह्वान किया जाएगा कि वह समाजवादी पार्टी को अपना समर्थन देकर उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार एक बार फिर बनवाएं। साथ ही मतदान के दिन किन्नर भी पोलिंग बूथों पर मोर्चा संभालेंगे। उनकी जिम्मेदारी यह होगी कि वह किन्नर समाज के ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान केंद्रों तक पहुंचा कर उनसे मतदान कराएं।

वाराणसी में किन्नर समाज के नेता सलमान चौधरी ने समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा को कैंट स्थित एक गेस्ट हाउस में आशीर्वाद दिया। सलमान

चौधरी ने कहा कि कमल की फूल वाली सरकार ने किन्नर समाज को सिर्फ धोखा दिया है। जो इज्जत हमें समाजवादी पार्टी ने दी वो हमें किसी अन्य राजनीतिक दल से नहीं मिला। सपा ऐसी पार्टी है जो हमें बुलाकर हमारा हक और अधिकार दे रही है। सपा के लोग अपने साथ और समाज से जोड़कर हमें साथ लेकर चलना चाह रही है। इसलिए हमारा आशीर्वाद और दुआएं अखिलेश यादव के साथ हैं। हमारे समाज की गुरु ने यह आशीर्वाद दिया है कि अखिलेश दोबारा मुख्यमंत्री बनें।

अयोध्या से चुनाव लड़ सकते हैं सीएम योगी मुख्यमंत्री और संगठन दोनों की टीमें सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव लड़ने की मंशा जताई तो उनके लिए छह माह से संगठन में मंथन के बाद अब अयोध्या पर आकर तलाश पूरी होती दिख रही है। इसी के साथ अब यहां मुख्यमंत्री और संगठन दोनों की टीमें सक्रिय भी हो गई हैं।

कार्यकर्ताओं के मन की थाह लेने सीएम के सलाहकार संजीव सिंह बैठक कर रहे हैं। अयोध्या विधायक के बाद जिलाध्यक्ष व महानगर अध्यक्ष भी लखनऊ जाकर सीएम को न्योता दे चुके हैं। चुनाव कार्यालय की तलाश और वोटर लिस्ट को अपडेट करने में खास लोगों की भूमिका साफ संकेत दे रही है कि योगी गोरखपुर या कहीं अन्य

» चुनाव कार्यालय की तलाश में जुटें उनके नेता

सीट से ज्यादा श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या से चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं। संगठन में सीएम के लिए अयोध्या ज्यादा प्रभावकारी मानी जा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह कहते हैं कि वे और महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्र लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से मिल आए हैं। एक सप्ताह में पूरी स्थिति साफ हो जाएगी।

बीजेपी के पूर्व सांसद बोले-

एके शर्मा बन सकते हैं यूपी के मुख्यमंत्री

मऊ। बीजेपी के पूर्व सांसद हरिनारायण राजभर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वायरल वीडियो में वह कहते दिख रहे हैं कि आगामी समय में एके शर्मा यूपी के सीएम बन सकते हैं। बीजेपी के पूर्व सांसद के वीडियो को लेकर विपक्ष बीजेपी पर हमलावर है। घोसी के पूर्व सांसद कह रहे हैं कि आने वाले समय में बीजेपी उपाध्यक्ष एके शर्मा यूपी के सीएम बन सकते हैं। यह वीडियो 4 जनवरी को मऊ की एक सभा का बताया जा रहा है। जनसभा में हरिनारायण ने संकल्प लिया कि वे शर्मा के सीएम बनाने के लिए काम करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।